

तेरे बिन है सुनी गलियां सुना ब्रिज का धाम

तेरे बिन है सुनी गलियां सुना ब्रिज का धाम
मीरा के गिरधर नागर हे राधा के श्याम
तेरे बिन है सुनी गलियां सुना ब्रिज का धाम

आस लगाए सुने पनघट राह निहारे ग्वालो के झमघट,
हल्के से कही बांसुरी बाजे पर न कोई कदमो की आहात,
ऐसे ही कही बीत न जाए उम्र की सुबहो शाम
तेरे बिन है सुनी गलियां सुना ब्रिज का धाम

अधू पागल सी गोपियाँ डोले सुध बुध खोई कुछ न बोले,
अपनी खैर खबर न कोई राज पिया के किस से खोले,
आँखों में है सूरत तेरी मुख पे तेरा नाम,
मीरा के गिरधर नागर हे राधा के श्याम
तेरे बिन है सुनी गलियां सुना ब्रिज का धाम

तुम आओगे कष्ट हरो गे सब के सिर पर हाथ धरोगे,
डूब रही मन की नैया को भव सागर से पार करो गे,
श्रदा और विश्वास का रिश्ता नाम तेरो इक शाम,
मीरा के गिरधर नागर हे राधा के श्याम
तेरे बिन है सुनी गलियां सुना ब्रिज का धाम

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16358/title/tere-bin-hai-suni-galiyan-suna-brij-ka-dhaam>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |